B-2
L-8
Ancient
India

वैदिक संस्कृति [1500 ई.पू. - 500 ई.पू.]

संस्कृति (culture): Culture शब्द लैटिन भाषा के Cultous शब्द से बना है, जिसका अर्थ किसी भी वस्तु या घटना का परिमार्जन उस सीमा तक करना कि अंत में वह प्रशंसा का पात्र हो।

वेद → विद् शब्द से निकला है
विद् = जानना = ज्ञान

→ सूक्त (मंत्रों का संकलन) अपौरुषेय

श्रुति- सुन-सुनकर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक स्थानांतरित

वेदों का पर्याय है:
a) श्रुति
b) अपौरुषेय
c) संहिता

संकलन ⇓ कृष्ण द्वैपायन (महर्षि वेदव्यास)

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

वेद

1. ऋग्वेद
2. यजुर्वेद
3. सामवेद

(1–3) वेद त्रयी — संकलन

4. अथर्ववेद → आर्य + अनार्य द्वारा रचित

ऋग्वेद = (ऋग्) + वेद
- ऋग् → ऋचा (सूक्त) → ऋषि

* विश्व का सबसे प्राचीनतम साहित्य है

* इसमें 10 मंडल है जो अष्टक मे विभाजित है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

मंडल: 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

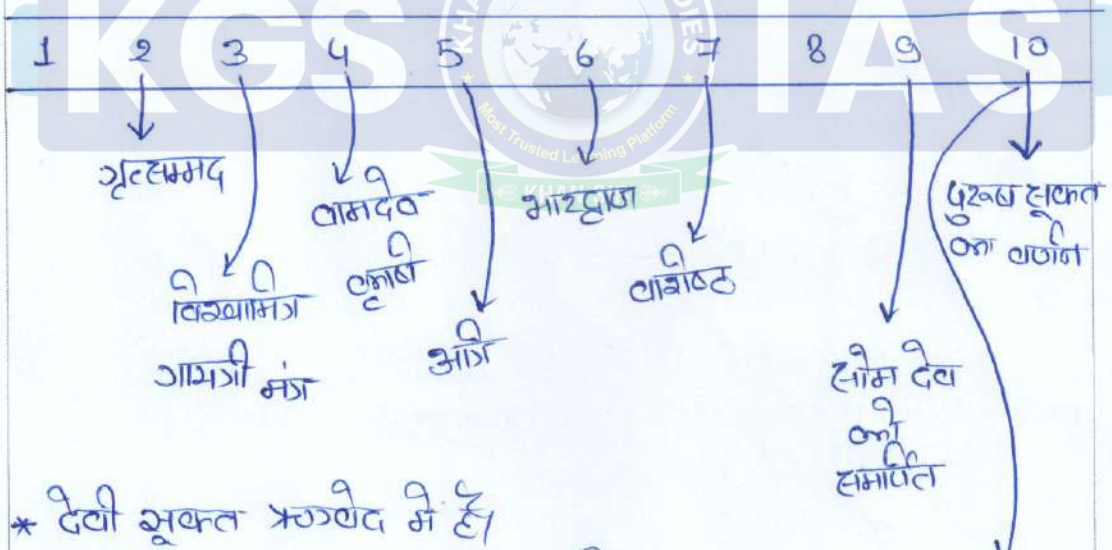

- 2 → गृत्समद
- 3 → विश्वामित्र — गायत्री मंत्र
- 4 → वामदेव ऋषि
- 5 → अत्रि
- 6 → भारद्वाज
- 7 → वशिष्ठ
- 9 → सोम देव को समर्पित
- 10 → पुरुष सूक्त का वर्णन
- 10 → नदी सूक्त ⇓ 25 नदियों का उल्लेख

* देवी सूक्त ऋग्वेद मे है
* ऋग्वेद के ब्राह्मण ग्रन्थ ऐतरेय और कौषीतकी है।
* ऋग्वेद के पुरोहित - होतृ (होता)

सबसे पवित्र नदी सरस्वती (नदीतमा)
सबसे महत्वपूर्ण नदी सिंधु (हिरण्यगर्भा)

यजुर्वेद = (यजुष) + वेद
- यजुष → यज्ञ, गद्य
- वेद → ज्ञान

* यह इकलौता वेद है जो आंशिक रूप से गद्य और आंशिक रूप से पद्य में है।

सामवेद : यह पद्य मे लिखा गया है। भारतीय संगीत की उत्पत्ति सामवेद मे देखी जा सकती है। इसमें भारतीय संगीत के 7 प्रमुख स्वरों का उल्लेख है।

ब्राह्मण : = ब्रह्म + मण
- ब्रह्म → यज्ञ
- मण → व्याख्या

* वेद वैदिक संस्कृत में लिखे गये हैं एवं जटिल हैं।
* ब्राह्मण ग्रंथ इन वेद, सूक्तों एवं मंत्रो की सरल व्याख्या प्रदान करते हैं।
* हर वेद का अपना-2 ब्राह्मण ग्रंथ होता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES

आरण्यक :
* अथर्ववेद को छोड़कर सभी वेदों का अपना-2 आरण्यक है।

आरण्यक = अरण्य + यक
- अरण्य → जंगल
- यक → ज्ञान

⇓

चिंतन
मनन
ध्यान

उपनिषद :

└→ बैठना
  └→ शिष्य
└→ समीप
  └→ गुरु के

* 108 उपनिषद है।
* इसमें आत्मा, ब्रह्म और मोक्ष के बारे मे दार्शनिक विचार शामिल है।

* उपनिषदों में 'आत्मन' और 'ब्राह्मण' की अवधारणाओं को प्रमुखता से समझाया गया है।
* उपनिषद ने दर्शन की उत्पत्ति है।
* यह वेदो के अंत मे लिखे गये है अतः इन्हे वेदांत भी कहा जाता है।

वेदांग : = वेद + अंग

* वेदांग की रचना इसलिए की गई जिससे वेदो को शुद्ध रूप से पढ़ा, समझा और उनका क्रियान्वयन किया जा सके।
* कुल 6 वेदांग है।

1> शिक्षा (उच्चारण)
2> व्याकरण
3> ज्योतिष
4> निरुक्त (शब्दों की व्युत्पत्ति)
5> छन्द
6> कल्प (क्रियान्वयन)

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES